**भारत सरकार**

**जल शक्ति मंत्रालय**

**जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 668**

**जिसका उत्तर 28 नवम्बर, 2024 को दिया जाना है।**

**.....**

**नदियों को आपस में जोड़ा जाना**

**668. श्री वीरेन्द्र सिंह:**

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बाढ़ के कहर से बचाव के लिए नदियों को आपस में जोड़ने के लिए शुरु की गई योजना में कितनी प्रगति हुई है;

(ख) सरकार ने नदियों में आई बाढ़ के कारण होने वाले भू-क्षरण के प्रभावित किसानों की भरपाई की कया योजना बनाई है और उक्त भू-क्षरण को रोकने के लिए क्या तंत्र बनाया है;

(ग) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में गंगा नदी के कारण होने वाले भू-क्षरण को रोकने के लिए कोई योजना बनाई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी**

**(क):** भारत सरकार ने नदी बेसिनों के अधिशेष जल को जल की कमी वाले क्षेत्रों में अंतरित करने के लिए वर्ष 1980 में एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की है। इस योजना का लक्ष्य एक ओर प्रतिवर्ष आने वाली बाढ़ के कहर को कम करना और दूसरी ओर सूखे के कारण होने वाली कठिनाइयों को कम करना है। एनपीपी के अंतर्गत, नदियों को परस्पर जोड़ने (आईएलआर) की 30 परियोजनाओं की पहचान की गई है जिनमें से 16 परियोजनाएं प्रायद्वीपीय घटक के अंतर्गत हैं और शेष हिमालयी घटक के अंतर्गत हैं। नदियों को आपस में जोड़ने की इन 30 परियोजनाओं में से सभी 30 संपर्क परियोजनाओं की पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्टें (पीएफआर) पूरी कर ली गई हैं जिसके परिणामस्वरूप उपयुक्त 26 संपर्क परियोजनाओं की व्यवहार्यता रिपोर्टें (एफआर) पूरी हो गई हैं। इसके बाद, पक्षकार राज्य सरकारों के साथ परामर्श करने और उनके समर्थन और सहयोग से अब तक 11 परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पूरी हो चुकी है। भारत सरकार ने नदियों को परस्पर जोड़ने संबंधी कार्यक्रम को उच्च प्राथमिकता प्रदान की है। नदियों को परस्पर जोड़ने वाली परियोजनाओं की स्थिति **अनुलग्नक-I** में दी गई है।

**(ख) से (घ):** जल राज्य का विषय है और बाढ़ प्रबंधन एवं कटावरोधी स्कीमों की आयोजना और निष्पादन राज्य सरकारों द्वारा उनके संसाधनों से उनकी प्राथमिकताओं के अनुसार किया जाता है। केन्द्र सरकार गंभीर क्षेत्रों में बाढ़ प्रबंधन के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और संवर्धनात्मक वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्यों के प्रयासों में सहायता करती है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, राज्य के चंदौली जिले में गंगा नदी द्वारा मृदा कटाव की जांच के लिए वर्ष 2022-23 में एक (1) कटाव रोधी परियोजना और वर्ष 2023-24 में दो (2) कटावरोधी परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं, जबकि वर्ष 2024-25 में चार (4) परियोजनाएं तैयार की गई हैं। इन कटावरोधी परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुलग्नक-।।** में दिया गया है।

*****

**अनुलग्नक-।**

**"नदियों को आपस में जोड़ने" के संबंध में 28.11.2024 को लोकसभा में उत्तर दिए जाने हेतु अतारांकित प्रश्न संख्या 668 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध।**

**नदियों को आपस में जोड़ने (आईएलआर) परियोजनाओं की स्थिति**

**प्रायद्वीपीय घटक**

| क्र.सं | नाम | लाभान्वित राज्य | स्थिति |
|---|---|---|---|
| 1 | क. महानदी (मणिभद्र) - गोदावरी (दोलाईस्वरम) लिंक | आंध्र प्रदेश (एपी) और ओडिशा | एफआर पूरी की गई |
| | ख. वैकल्पिक महानदी (बरमूल) - रुशिकुल्या - गोदावरी (दौलाईस्वरम) लिंक | आंध्र प्रदेश और ओडिशा | एफआर पूरी की गई |
| 2 | गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक @ | आंध्र प्रदेश | एफआर पूरी की गई |
| 3 | क) गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक | तेलंगाना | एफआर पूरी की गई |
| | ख. वैकल्पिक गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक * | तेलंगाना | डीपीआर पूरी की गई |
| 4 | गोदावरी (इंचमपल्ली/एसएसएमपीपी) - कृष्णा (पुलिचिंताला) लिंक | तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश | डीपीआर पूरी की गई |
| 5 | क.) कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमसिला) लिंक | आंध्र प्रदेश | एफआर पूरी की गई |
| | ख) वैकल्पिक कृष्ण (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमशिला) लिंक * | आंध्र प्रदेश | डीपीआर पूरी की गई |
| 6 | कृष्णा (श्रीशैलम) - पेन्नार लिंक | आंध्र प्रदेश | मसौदा डीपीआर पूरी की गई |
| 7 | कृष्णा (अलमट्टी) - पेन्नार लिंक | आंध्र प्रदेश और कर्नाटक | मसौदा डीपीआर पूरी की गई |
| 8 | क) पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक | आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी | एफआर पूरी की गई |
| | ख) वैकल्पिक पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक * | आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी | डीपीआर पूरी की गई |
| 9 | कावेरी (कट्टलाई) - वैगई - गुंडर लिंक | तमिलनाडु | डीपीआर पूरी की गई |
| 10 | क. पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक | मध्य प्रदेश (एमपी) और राजस्थान | एफआर पूरी की गई |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | ख. संशोधित पार्बती-कालीसिंध-चंबल लिंक (ईआरसीपी के साथ विधिवत एकीकृत) | मध्य प्रदेश और राजस्थान | मसौदा पीएफआर पूरी की गई |
| 11 | दमनगंगा-पिंजाल लिंक | महाराष्ट्र (मुंबई को केवल पानी की आपूर्ति) | डीपीआर पूरी की गई |
| 12 | पार-तापी-नर्मदा लिंक | गुजरात और महाराष्ट्र | डीपीआर पूरी की गई |
| 13 | केन-बेतवा लिंक | उत्तर प्रदेश (यूपी) और एमपी | डीपीआर पूरी की गई और परियोजना कार्यान्वयनाधीन है |
| 14 | पंबा - अचनकोविल - वैप्पार लिंक | तमिलनाडु और केरल | एफआर पूरी की गई |
| 15 | बेदती - वरदा लिंक @@ | कर्नाटक | डीपीआर पूरी की गई |
| 16 | नेत्रवती-हेमवती लिंक ** | कर्नाटक | पीएफआर पूरी की गई |

* मणिभद्र और इंचमपल्ली बांधों पर लंबित सहमति के कारण, गोदावरी नदी के अप्रयुक्त जल को मोड़ने के लिए वैकल्पिक अध्ययन किया गया था और गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुन सागर)-पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रेंड एनीकट) संपर्क परियोजना की डीपीआर पूरी कर ली गई थी। गोदावरी-कावेरी संपर्क परियोजना तैयार की गई है जिसमें गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुनसागर), कृष्णा (नागार्जुनसागर)-पेन्नार (सोमासिला) और पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (गन्द एनीकट) संपर्क परियोजनाएं शामिल हैं।

** कर्नाटक सरकार द्वारा येतिनहोल परियोजना के कार्यान्वयन के बाद से आगे के अध्ययन नहीं किए गए हैं, क्योंकि इस लिंक के माध्यम से डायवर्जन के लिए नेत्रावती बेसिन में कोई अधिशेष पानी उपलब्ध नहीं है।

@ गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) संपर्क - यह परियोजना आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई है।

@@ बेदती - वरदा संपर्क - डीपीआर अपनी पीएफआर तैयार होने के बाद सीधे तैयार की गई थी, कोई एफआर तैयार नहीं की गई थी।

**हिमालयी घटक**

| क्र.सं | लिंक का नाम | देश/राज्यों को लाभ हुआ | ओहदा |
|---|---|---|---|
| 1. | कोसी-मेची लिंक | बिहार और नेपाल | पीएफआर पूरी हो गयी है |
| 2. | कोसी-घाघरा लिंक | बिहार, यूपी और नेपाल | पीएफआर पूरी हो गयी है |
| 3. | गंडक-गंगा लिंक | यूपी और नेपाल | पीएफआर पूरी हो गयी है |
| 4. | घाघरा-यमुना लिंक | यूपी और नेपाल | पीएफआर पूरी हो गयी है |
| 5. | सारदा-यमुना लिंक | यूपी और उत्तराखंड | पीएफआर पूरी हो गयी है |
| 6. | यमुना-राजस्थान लिंक | हरियाणा और राजस्थान | पीएफआर पूरी हो गयी है |
| 7. | राजस्थान-साबरमती लिंक | राजस्थान और गुजरात | पीएफआर पूरी हो गयी है |
| 8. | चुनार - सोन बैराज लिंक | बिहार और यूपी | पीएफआर पूरी हो गयी है |
| 9. | सोन बांध - गंगा लिंक की दक्षिणी सहायक नदियाँ | बिहार और झारखंड | पीएफआर पूरी हो गयी है |
| 10. | मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) लिंक | असम, पश्चिम बंगाल (पश्चिम बंगाल) और बिहार | पीएफआर पूरी हो गयी है |
| 11. | जोगीघोपा-तीस्ता-फरक्का लिंक (के लिए वैकल्पिक एम-एस-टी-जी)) | असम, पश्चिम बंगाल और बिहार | पीएफआर पूरी हो गयी है (प्रस्ताव छोड़ दिया गया है) |
| 12. | फरक्का-सुंदरबन लिंक | पश्चिम बंगाल | पीएफआर पूरी हो गयी है |
| 13. | गंगा (फरक्का)-दामोदर-सुवर्णरेखा संपर्क | पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड | पीएफआर पूरी हो गयी है |
| 14. | सुवर्णरेखा-महानदी लिंक | पश्चिम बंगाल और ओडिशा | पीएफआर पूरी हो गयी है |

**अनुलग्नक-II**

**"नदियों को आपस में जोड़ने" के संबंध में 28.11.2024 को लोकसभा में उत्तर दिए जाने हेतु अतारांकित प्रश्न संख्या 668 के भाग (ख) से (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध।**

**उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में गंगा नदी द्वारा मृदा क्षरण की जांच के लिए परियोजनाओं का विवरण**

| क्र.सं. | वर्ष | परियोजनाओं की संख्या | परियोजना |
|---|---|---|---|
| 1. | 2022-23 | 01 | चंदौली जिला के नियामताबाद ब्लॉक के अंतर्गत गंगा नदी के दाहिने तट पर स्थित ग्राम कुंडकला, कुंडाखुर्द मौजासुल्तानीपुर (शकुराबाद) और कुंडकला पंप नहर के कटाव को रोकने के लिए जियो टेक्सटाइल ट्यूब कटर के निर्माण के लिए परियोजना |
| 2. | 2023-24 | 02 | चंदौली जिले की सकलडीहा तहसील के धानापुर ब्लॉक के अंतर्गत गंगा नदी के दाहिने किनारे स्थित गांव महूजी में कटाव रोकने के लिए कटाव रोधी परियोजना |
| | | | चंदौली जिले की सकलडीहा तहसील में धानापुर ब्लॉक के अंतर्गत गंगा नदी के दाहिने तट पर स्थित ग्राम गुरानी में कटाव रोधी कार्य |
| 3. | 2024-25 | 04 | चंदौली जिले की सकलडीहा तहसील के धानापुर विकासखंड के अंतर्गत गंगा नदी के दाहिने तट पर स्थित ग्राम नरौली में कटाव रोधी परियोजना। |
| | | | चंदौली जिले की सकलडीहा तहसील में चहानिया प्रखंड के अंतर्गत गंगा नदी के दाहिने तट पर स्थित पकरी और महुवारी गांवों में कटाव रोकने के लिए कटाव रोधी परियोजना। |
| | | | चंदौली जिले की सकलडीहा तहसील में चहनिया ब्लॉक के अंतर्गत गंगा नदी के दाहिने तट पर स्थित गांव टंडाकला में कटाव रोधी परियोजना |
| | | | चंदौली जिले के विकासखंड नियामताबाद के अंतर्गत गंगा नदी के दाहिने तट पर स्थित ग्राम कुण्डकला और कुन्दाखुर्द के संरक्षण हेतु अपरदन रोधी परियोजना का कार्य है। |

*****